Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MS-CT-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
दर्शन, प्रश्न-पत्र : तृतीय
भारतीय दर्शन

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. योगदर्शन में वर्णित धर्म, लक्षण व अवस्थापरिणाम का सविस्तार वर्णन करें।
2. सांख्यकारिका के बुद्धि-सर्ग का निरूपण करें।
3. न्याय के प्रमाणवाद का वर्णन करें।
4. वैशेषिकदर्शन के अनुसार द्रव्य, गुण व कर्म का उदाहरणपूर्वक लक्षण का वर्णन करें।
5. वैशेषिक दर्शन में वर्णित सामान्य, विशेष व समवाय नामक पदार्थों का वर्णन करें।

(खण्ड -ख)

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पंच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. योगदर्शन में वर्णित किन्हीं तीन विभूतियों का उल्लेख करें।
7. न्याय के पञ्चावयव को उदाहरण सहित निरूपण करें।
8. सांख्यकारिका में वर्णित तुष्टियों का उल्लेख करें।
9. योगदर्शनानुसार 'कर्म' के भेद पर प्रकाश डालें।
10. न्यायदर्शन के अनुसार 'छल' को समझाएं।
11. वैशेषिक दर्शनानुसार द्रव्यों का गुण सहित वर्णन करें।
12. ''जन्मौषधिमन्त्रतपः समाधिजाः सिद्धयः'' सूत्र की व्याख्या करें।

----------x----------